

कार्यालय, जिला लेखा परीक्षा अधिकारी, स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग उ0प्र0


जनपद- लखीमपुर-खीरी

संख्या-खीरी/2019-20/867

दिनांक: 29-08-2019

आडिट प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि नगर पंचायत जौयल की वर्ष 2017-18 के लेखाओं की सम्परीक्षा समाप्त कर आपत्तियों का यथा स्थान उल्लेख कर दिया गया है। संस्था पर अवशेष सम्परीक्षा शुल्क शून्य है एवं आपत्तियों के निस्तारणार्थ अनुपालन आख्या कार्यालय में प्राप्त है जो विचाराधीन है। संस्था को निष्पादन अनुदान अवमुक्त करने की संस्तुति की जाती है।


जिला लेखा परीक्षा अधिकारी
लखीमपुर-खीरी

L.A. 80
31.12.2018

लेखा परीक्षा एवं निरीक्षण रिपोर्ट

संस्था का नाम:- नगर पंचायत ओयल ढकवा, लखीमपुर (खीरी)

सम्परीक्षा अवधि:- 2017-2018

सम्परीक्षा तिथि:- लेखों की वर्तमान सम्परीक्षा दिनांक 22.06.2018 को प्रारम्भ एवं दिनांक 05.07.2018 को समाप्त हुई।

प्रशासन:- आलोच्य वर्ष में संस्था में निम्नांकित पदाधिकारी रहे जो संयुक्त रूप से आहरण वितरण अधिकारी भी रहे।

- | | | |
|----------------------------|-----------------|-----------------------------|
| 1. श्रीमती प्रतिभा | अध्यक्ष | 01.04.2017 से 03.08.2017 तक |
| 2. श्री दिनेश कुमार मिश्र | प्रशासक | 04.08.2017 से 12.01.2018 तक |
| 3. श्री प्रदीप कुमार गुप्त | अध्यक्ष | 13.01.2018 से 31.03.2018 तक |
| 4. श्री दिनेश कुमार मिश्र | अधिसासी अधिकारी | 01.04.2017 से 31.03.2018 तक |

प्रस्तावना:- "यह आडिट रिपोर्ट भारत के नियन्त्रक एवं महा लेखा परीक्षक के पूर्ण तकनीकी मार्ग दर्शन तथा लेखा प्रमाणन के दिशा निर्देशों का अनुपालन करते हुये राज्य अधिनियम स्थानीय निकाय के नियमों की धाराओं के अन्तर्गत तैयार की गयी है।

सम्परीक्षा का स्वरूप:- उप लेखा परीक्षा

सम्परीक्षा आख्या भाग - "क"

लेखे में पायी गयी उल्लेखनीय अनियमितताए:-

(1) निधियों और सम्पत्तियों की हानि एवं दुर्विनियोजन के प्रकरण:-

(क) तालाब ठेका न उठाये जाने से आर्थिक क्षति रू0 10,69,650:- नगर पंचायत द्वारा तालाब/सम्पत्ति पंजी नही बनायी गयी थी, उपलब्ध अभिलेखों एवं गत सम्परीक्षा आख्यानुसार पंचायत के स्वामित्व में कुल 16 तालाब दर्शाये गये थे। जिनमें से 03 तालाबों को विगत 14 वर्षों से, 01 तालाब को विगत 13 वर्ष से, 01 तालाब को विगत 14 वर्ष से, 7 तालाबों को 10 वर्ष से तथा 01 तालाब को विगत 09 वर्ष से ठेके पर नही दिया जा रहा था और न ही इन